खेल आयोजन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का संबोधन

यहां आए हुए नौजवानों में मैं देख रहा हूं कि इनमें काफी उत्साह है। इनमें अनुशासन, देशभक्ति और जीतने का एक जुनून भी है। जिन्दगी में खेल का मैदान ही ऐसा है जो हमें हर रोज नई प्रेरणा, नया उत्साह और आत्मविश्वास देता है। खेल के मदान में हर रोज जीतने का प्रयास होता है और यही जिन्दगी की कहानी है। जिन्दगी में भी व्यक्ति को ऐसे ही विचार रखना चाहिए कि मुझे रोज संघर्षों और विपत्तियों से लड़ना है और लड़कर जीतना है। जो व्यक्ति ऐसा करेगा, वह जिन्दगी में कभी विचलित नहीं होगा। जिन्दगी में कई कठिनाइयां, चुनौतियां और समस्याएं आती हैं। हमें उस समय विचलित होने की आवश्यकता नहीं है।

जिन्दगी में तनाव नहीं होना चाहिए। खेल के मैदान के लिए हम जिला कलेक्टर और एसडीएम से कहेंगे कि वे इसके लिए जगह दें। मुझे पता है यहां बहुत जगहों पर कब्जा है। जिसका जमीन पर कब्जा होगा, वह भी विचलित होगा। लेकिन, हम उसको कहेंगे कि खिलाड़ियों के लिए अपने कब्जे को छोड़ें। यहां सारी जमीन कब्जे वाली है। यहां बिना कब्जे वाली एक इंच भी जमीन नहीं बची है। कब्जे वाली जमीन मिलेगी तो मैं स्टेडियम बना दूंगा। इसके बारे में मैंने पहले ही कह दिया है। हम स्टेडियम भी ऐसा बनाएंगे कि लोग याद करेंगे।